



प्रेस विज्ञप्ति / Press Release

2 अप्रैल / April, 2021

सिडबी ने अपना 32वां स्थापना दिवस, स्वावलंबन प्रेरणा दिवस के रूप में मनाया

SIDBI celebrates 32nd foundation day as Swavalamban Prerna Diwas

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) के संवर्द्धन, वित्तपोषण और विकास में संलग्न शीर्ष वित्तीय संस्था, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) ने आज अपना स्थापना दिवस स्वावलंबन प्रेरणा दिवस के रूप में मनाया।

Small Industries Development Bank of India (SIDBI), the principal financial institution engaged in the promotion, financing and development of Micro, Small & Medium Enterprises (MSMEs), celebrated its foundation day today as Swavalamban Prerna Diwas.

विगत कुछ वर्षों से सिडबी इस दिन को किसी एक चयनित विषय पर केन्द्रित करके मना रहा है। इस वर्ष बैंक के शाखा कार्यालयों/निवासी प्रतिनिधि कार्यालयों में 60 मिनट का एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां वक्ताओं ने अपने-अपने व्यवसायों/उद्यमों में आने वाली चुनौतियों/समस्याओं पर चर्चा की एवं उन चुनौतियों/समस्याओं को दूर करने के लिए अपनाई गई प्रणाली पर, वह बातें जो उनके पक्ष में रही या उनके पक्ष में नहीं रही आदि के साथ-साथ बैंक के विकास की कहानी/जीवन पथ के बारे में विचार विमर्श किया, ताकि प्रतिभागियों/हितधारकों को इस लक्ष्य को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया जा सके। ये वक्ता विकास में भागीदार / मौजूदा शाखा ग्राहक थे, जो कोविड 19 समय में मजबूत रूप से उभरे और महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की अथवा वे इस ओर सक्रिय रूप से उत्तरदायी रहे या प्रभावित अल्पसेवित/असेवित वर्गों / गैर सरकारी संगठनों / प्रसिद्ध संस्थानों से जुड़े व्यक्ति थे जो एक रोल माडल बन कर राष्ट्रीय या संस्थागत नायकों के रूप में उभरे हैं। इसका उद्देश्य संबंधित हितधारकों / प्रतिभागियों को उनकी उद्यमशीलता के सपने को साकार करने के लिए अनुभवात्मक अधिगम, प्रेरणा और आवश्यक प्रोत्साहन प्रदान करते हुए लाभान्वित करना था।

In the past few years, SIDBI has been celebrating this day by picking a theme. This year a 60 minutes programme was organized across branch offices/resident representative offices of the bank where the speakers discussed about their growth story/life trajectory including the challenges/problems they faced in their respective businesses/enterprises, mechanism which they adopted to overcome those challenges/ problems, things that worked or didn't work for them etc., with the participants/stakeholders so as to motivate them to pursue their goal. These speakers were development partners/existing branch customers who have achieved significant success or were proactively responsive/emerged stronger during COVID-19 times or impacted underserved/unserved sections of the society/Non-Governmental Organisations/Institutions of repute/role models who have emerged as national or institutional heroes. The objective was to benefit the concerned stakeholders/participants by providing them the experiential learning, motivation and the necessary impetus/push to realize their entrepreneurial dream.

इस अवसर पर सिडबी के उप प्रबंध निदेशक श्री वी सत्य वेंकट राव ने कहा कि "हम एमएसएमई, जो कोविड-19 की चुनौतियों का सामना किए व और मजबूत बन कर उभरे कि भावना को नमन करते हैं। हम अगले वर्ष में कदम रखते हुए अपने वित्तीय और गैर वित्तीय पक्ष पर अपनी वचनबद्धताओं को बनाए रखेंगे और ऋण और विकास के माध्यम से एमएसएमई पारितंत्र की सेवा करने के अपने जनादेश को जारी रखेंगे। उद्यमिता के मार्ग में और अधिक युवाओं को शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करने के साथ-साथ, हम उद्यम पारितंत्र में समाधानों को लाते रहेंगे ।

On this occasion, Shri V. Satya Venkata Rao, Deputy Managing Director of SIDBI said, "We salute the spirit of MSMEs who faced challenges of COVID-19 and emerged more stronger. As we step into another year, we shall continue to take our mandate of serving the MSME ecosystem through credit and development plus engagements on financial and non-financial side. Besides encouraging more youths to join the path of entrepreneurship, we shall continue to bring solutions to enterprise ecosystem."

अपने स्थापना दिवस पर सिडबी ने एक ई-पुस्तिका जारी की, जिसमें चुनौतियों के बीच उद्यमिता की जमीन पर खड़े प्रेरणादायी स्वावलंबियों / गृह उद्यमियों को सम्मिलित किया गया है। सिडबी ने स्वावलंबन कदम के वार्षिक संस्करण का भी विमोचन किया जो उन विभिन्न वचनबद्धताओं को दस्तावेजीकृत करता है, जो समाज और पारितंत्र में अपना योगदान दे रहे हैं। ई-पुस्तिका में सिडबी और उषा की अंतर साझेदारी और इसके प्रभाव को दर्शाया गया है। यह साझेदारी गरीबी उन्मूलन, रोजगार सृजन और ग्रामीण परिदृश्य के भीतर उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए महिला केंद्रित पहलों पर आधारित है। आज 7 राज्यों के 24 जिलों में 1700 स्वावलंबन सिलाई स्कूल खुल गए हैं। लगभग इन सभी 1700 स्वावलंबियों ने सपनों को साकार करने के अपने दृढ़ निश्चय से चुनौतियों को दूर किया है। वे समाज के / परिवार के

विभिन्न दबावों को सहते हुए आत्मविश्वास प्राप्ति के लिए अविश्वास की तंग रस्सी पर चले हैं और अब एक रोल मॉडल बनने के लिए प्रस्तुत हैं ।

On foundation day, SIDBI released an e-booklet that captures the inspirational Swavalambis / Homepreneurs who have stood the ground of entrepreneurship amidst challenges. SIDBI also launched the annual edition of Swavalamban Kadam which documents different engagements which are contributing to society and ecosystem. The e-booklet brings out the differentiator partnership of SIDBI and Usha and its impact. The partnership has been on women centric initiatives for poverty alleviation, employment generation and fostering entrepreneurship within the rural landscape. Today 1,700 Swavalamban Silai Schools have come up in 24 districts spanning across 7 states. Almost all these 1,700 Swavalambis have overcome challenges with their determination to shape dreams. They crossed rough waters of society / family pressures, walked the tight rope of disbelief to self-confidence and now are poised to be role models.

विज़न 2.0 को अपनाते हुए, सिडबी ने विशेष रूप से असेवित /अल्पसेवित समूहों / घटकों में उद्यमिता विकास पर जोर देते हुए, एमएसएमई के संवर्द्धन और विकास पर अपना ध्यान पुनःकेंद्रित किया है। उद्यमिता के साथ-साथ एमएसएमई पारितंत्र को प्रोत्साहित करने और उनकी चुनौतियों का समाधान करने के लिए सिडबी विभिन्न प्रमुख पहलें कर रहा है।

With adoption of Vision 2.0, SIDBI has reoriented its focus on promotion and development with thrust on MSMEs, particularly the unserved/underserved pockets/segments and entrepreneurship development. SIDBI has been taking various major initiatives for kindling entrepreneurship as also the MSME ecosystem and addressing their challenges.

सिडबी के बारे में: 1990 में अपने गठन के बाद से सिडबी अपने एकीकृत, अभिनव और समावेशी दृष्टिकोण के माध्यम से समाज के विभिन्न स्तरों पर नागरिकों के जीवन को प्रभावित कर रहा है। सिडबी ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से विभिन्न ऋण और विकासात्मक उपायों के माध्यम से सूक्ष्म और लघु उद्यमियों (एमएसई) के जीवन को छुआ है, चाहे ये पारंपरिक व घरेलू छोटे उद्यमी हों; उद्यमिता पिरामिड के निम्नतम स्तर के उद्यमी हों अथवा उच्चतम स्तर के ज्ञान-आधारित उद्यमी हों। सिडबी 2.0 अपने साथ समावेशी, अभिनव और प्रभाव-उन्मुख संबद्धताओं की दृष्टि को लेकर चल रहा है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट <https://www.sidbi.in> पर जाएँ।

About SIDBI: Since its formation in 1990, SIDBI has been impacting the lives of citizens across various strata of the society through its integrated, innovative and inclusive approach. Be it traditional, domestic small entrepreneurs, bottom-of-the-pyramid entrepreneurs, to high-end knowledge-based entrepreneurs, SIDBI has directly or indirectly touched the lives of

Micro and Small Enterprises (MSEs) through various credit and developmental engagements. SIDBI 2.0 carries the vision of inclusive, innovative and impact-oriented engagements.

To know more, check out: <https://www.sidbi.in>